P.V.G.'s

# Muktangan English School & Jr. College,

44, Vidyanagari, Parvati, Pune - 411009.

## Formative Written Test - I (2025-26)

## Standard - VIII

Subject : Hindi (Entire)

Marks : 20

Date : 08I08I2025

Time : 8.30 am 9.30 am

**सूचनाएँ –**

१) **सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करे ।**

२) **शुद्ध, स्पष्ट भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।**

### विभाग – १ गद्य

**कृति १) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**

एक राजा था । उसके चार बेटियाँ थीं । राजा ने सोचा कि इन चारों में से जो सबसे बुद्धिमती होगी, उसे ही अपना राजपाट सौपेगा । इसका फैसला कैसे हो? वह सोचने लगा । अंत में उसे एक उपाय सूझ गया ।

उसने एक दिन चारों बेटियों को अपने पास बुलाया । सभी को गेहूँ के सौ-सौ दाने दिए और कहा, ''इसे तुम अपने पास रखो, पाँच साल बाद मैं जब इन्हें माँगूँगा तब तुम सब मुझे वापस कर देना ।''

गेहूँ के दाने लेकर चारों बहनें अपने अपने कमरे में लौट आई । बड़ी बहन ने उन दानों को खिड़की के बाहर फेंक दिया । उसने सोचा, 'आज से पाँच साल बाद पिता जी को गेहूँ के इन दानों की याद रहेगी क्या? और जो याद भी रहा तो क्या हुआ..., भंडार से लेकर दे दूँगी ।'

दूसरी बहन ने दानों को चाँदी की एक डिब्बी में डालकर उसे मखमल के थैले में बंद करके सुरक्षा से अपनी संदूकची में डाल दिया । सोचा, 'पाँच साल बाद जब पिता जी ये दाने माँगेंगे, तब उन्हें वापस कर दूँगी ।'

तीसरी बहन बस सोचती रही कि इसका क्या करूँ । चौथी और छोटी बहन तनिक बच्ची थी । शरारतें करना उसे बहुत पसंद था ! उसे गेहूँ के भुने दाने भी बहुत पसंद थे । उसने दानों को भुनवाकर खा डाला और खेल में मग्न हो गई ।

तीसरी राजकुमारी को इस बात का यकीन था कि पिता जी ने उन्हें यूँ ही ये दाने हीं दिए होंगे । जरूर इसके पीछे कोई मकसद होगा । पहले तो उसने भी अपनी दूसरी बहनों की तरह ही उन्हें सहेजकर रख देने की सोची, लेकिन वह ऐसा न कर सकी । दो-तीन दिनों तक वह सोचती रही, फिर उसने अपने कमरे की खिड़की के पीछेवाली जमीन में वो दाने बो दिए । समय पर अंकुर फूटे । पौधे तैयार हुए, दाने निकले । राजकुमारी ने तैयार फसल में से दाने निकाले और फिर से बो दिए । इस तरह पाँच वर्षों में उसके पास ढेर सारा गेहूँ तैयार हो गया ।

१) आकृती पूर्ण कीजिए ।

(i) (1)

राजा ने अपने बेटियों को गेहूँ के कितने दाने दिए

↓

(ii)

राजा कितने साल बाद गेहूँ के दाने माँगने वाले थे

↓

२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए । (1)

(i) उपाय - ☐

(ii) डिब्बी - ☐

३) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए । (1)

(i) बहन - ☐

(ii) फसलें - ☐

४) अभिव्यक्ति - 'हरे-भरे खेतों को देखकर मन प्रसन्न हो जाता हैं,' इस विषय पर अपने विचार ६-८ पंक्तियों में लिखिए । (2)

## विभाग - २ पद्य

कृति२ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

बदला-बदला-सा मौसम है
बदले-से लगते है सुर ।
दीदा फाड़े शहर देखता
गाँव देखता टुकुर-टुकुर ।

तिल रखने की जगह नहीं है
शहर ठसाठस भरे हुए
उधर गाँव में पीपल के हैं
सारे पत्ते झरे हुए ।

मेट्रो के खंभे के नीचे
रात गुजारे परमेसुर ।
दीदा फाडे शहर देखता
गाँव देखता टुकुर-टुकुर ।

इधर शहर में सारा आलम
आँख खुली बस दौड़ रहा ।
वहाँ रेडिओ पर स्टेशन
रामदीन है जोह रहा ।
उनकी बात सुनी है जबसे
दिल करता है धुकुर-पुकुर ।

सुरसतिया के दोनों लड़के
सूरत गए कमाने ।
गेहूँ के खेतों में लेकिन
गिल्ली लगीं घमाने ।

१) **एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।**

(i) गाँव का देखना - (1)

(ii) पत्ते झरा हुआ वृक्ष -

२) **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए ।**

(i) मौसम - ☐ (1)

(ii) सुर - ☐

३) **निम्नलिखित विरामचिह्नों के नाम लिखिए ।** (1)

| | चिह्न | नाम |
|---|---|---|
| (i) | ? | ☐ |
| (ii) | , | ☐ |

४) तिल रखने की जगह नही है ---------- सारे पत्ते झरे हुए । (2)
इन पंक्तियों का सरल अर्थ ६-८ पंक्तियों में लिखिए ।

## विभाग - ३ व्याकरण

कृति ३ सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

१) **निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** (1)

(i) माली ने फूल तोड़े ।

| कारक चिह्न | कारक भेद |
|---|---|
| _____ | _____ |

२) निम्नलिखित वाक्य में सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए। (1)

(i) मैं चुपचाप घर लौट आया।

| सहायक क्रिया | मूल रूप |
|---|---|
| _____ | _____ |

३) निम्नलिखित क्रिया का प्रथम प्रेरणार्थक और द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए। (1)

| क्रिया | प्रथम प्रेरणार्थक रूप | द्वितीय प्रेरणार्थक रूप |
|---|---|---|
| पढ़ना | _____ | _____ |

४) अशुद्ध वाक्य को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए। (1)

(i) मेरी छुट्टी मंजूर हो गया है।

५) निम्नलिखित मुहावरें का अर्थ लिखकर अपने सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

(i) गले लगना –

## विभाग – ४ उपयोजित लेखन

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर ७० से ८० शब्दों में रोचक कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख भी लिखिए। (5)

एक गाँव – गाँव के बाहर रास्ते में एक पत्थर – लोगों का उससे टकराना – किसी का उसे न हटाना – भला – बुरा कहते आगे बढ़ना – एक किसान का आना – पत्थर हटाकर दूर रखना – पत्थर के नीचे रुपयों की थैली – चिट्ठी – पत्थर हटाने का इनाम – सीख – शीर्षक।

♦